

कहानीकार योगेंद्र आहूजा को 'आनंद सागर स्मृतिकथाक्रम सम्मान'

चर्चा में क्यों?

4 अक्टूबर, 2023 को आनंद सागर स्मृतिकथाक्रम सम्मान समिति की बैठक में कहानीकार योगेंद्र आहूजा को 'आनंद सागर स्मृतिकथाक्रम सम्मान' दिये जाने का नरिणय लया गया ।

प्रमुख बढु

- बैठक में संयोजक शैलेंद्र सागर, वरषुठ कहानीकार शवामूरुतु, रंगकरुमी अखललश और लेखकल रजनी गुप्त शामिल रही ।
- आनंद सागर स्मृतिकथाक्रम सम्मान के अंतरगत 21 हज़ार रुपए व सम्मान चहलन प्रदान कया जाएगा । यह सम्मान पाँच नवंबर को समारोह में दया जाएगा ।
- वरषुठ साहतलयकार शैलेंद्र सागर ने बताया कल 1 दसलंबर, 1969 को उत्तर प्रदेश के बदायूँ में जनमे योगेंद्र आहूजा हनलदी कथा साहतलय के वशषुठ एवं चरुचतल कहानीकार हैं । उनहोंने उत्तराखंड के काशीपुर तथा उत्तर प्रदेश के बरेली ज़लले में शकषल ग्रहण की । योगेंद्र आहूजा की पहली कहानी प्रतषुठतल पत्रकल पहल में 1991 में प्रकाशतल हुई । इसके बाद लेखक ने मरुसया, गलत, एक पुरानी कहानी, खाना, लफ़फ़ाज, कुशती, एकयूरेट, पैथोलॉजी जैसी लोकप्रयल कहानयलें लखलें ।
- योगेंद्र आहूजा का पहला कहानी संग्रह अंधेरे में हँसी 2004 में प्रकाशतल हुआ । अभी हाल ही में पुस्तक टूटते तारों तल प्रकाशतल को पूर्व में कथा पुरस्कार, परवलश सम्मान, वजलय वर्मा सम्मान, रमाकांत स्मृतल पुरस्कार, स्पंदन सम्मान और प्रेमचंद स्मृतल सम्मान मलल चुका है ।



